दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार 06 दिसंबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 68

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

अंतर्राष्ट्रीय

गाजा पर फिर गिरी इजरायल की गाज, भीषण हवाई हमलों में 21 लोगों की मौत

खान यूनिस (गाजा पट्टी)। हमास प्रमुख इस्माइल हानिया और याह्या सिनवार समेत सैकड़ों टॉप कमांडरों की मौत के बाद भी इजरायल का कहर गाजा पर जारी है। बीते 24 घंटे में इजरायल के भीषण हवाई हमलों में दक्षिणी गाजा में विस्थापित फिलस्तीनियों के शिविर में रह रहे कम से कम 21 लोग बुधवार को मारे गए। इजरायल की सेना ने कहा कि उसने क्षेत्र में ''आतंकवादी गतिविधियों में शामिल'' शीर्ष हमास आतंकवादियों को निशाना बनाया। हालांकि इजरायल की सेना ने कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी और कहा कि उसने इस बात की पूरी सावधानी बरती कि हमले में नागरिक हताहत नहीं हों। मुवासी तंबू शिविर पर हमला बुधवार को गाजा पट्टी में हुए कई घातक हमलों में से एक था। फलस्तीनी चिकित्सकों के अनुसार, मध्य गाजा में इजराइली हमले में कम से कम 10 और लोग मारे गए, जिनमें चार बच्चे भी शामिल हैं। हमास के अक्टूबर 2023 के हमले के बाद करीब 14 महीनों से जारी गाजा में इजराइल के विनाशकारी युद्ध के खत्म होने के कोई संकेत नहीं हैं। हमास ने अब भी कई इजराइली नागरिकों को बंधक बना रखा है और गाजा की अधिकांश आबादी विस्थापित हो चुकी है और जीवित रहने के लिए अंतरराष्ट्रीय खाद्य सहायता पर निर्भर है।

किसी ने मार गिराया ईरान का लड़ाकू विमान या हुआ दुर्घटना का शिकार, 2 पायलटों की मौत

तेहरान (ईरान)। ईरान का एक लड़ाकू विमान बुधवार को देश के दक्षिणी हिस्से में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें दो पायलटों की मौत हो गई। यह वाकई में दुर्घटना का शिकार हुआ या फिर इसे किसी देश ने मार गिराया, इस बारे में अभी कोई स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। ईरान की सरकारी मीडिया ने फिलहाल दुर्घटना में 2 पायलटों के मारे जाने की जानकारी साझा की है। सरकारी टेलीविजन ने पायलटों की पहचान कर्नल हामिद रजा रंजबार और कर्नल मनौचेहर पीरजादे के रूप में की गई है। ईरान की मीडिया में सामने आई खबरों के अनुसार विमान की मरम्मत के बाद पायलट परीक्षण उड़ान पर थे। यह दुर्घटना राजधानी तेहरान से लगभग 770 किलोमीटर दक्षिण में फिरोजाबाद शहर के पास हुई। रिपोर्ट में विमान के प्रकार या दुर्घटना के कारण के बारे में विस्तार से नहीं बताया गया। ईरान की वायु सेना के पास 1979 की इस्लामी क्रांति से पहले खरीदे गए अमेरिका निर्मित कई सैन्य विमान हैं। टॉमकैट एफ-14 अमेरिका निर्मित विमान है, ईरान के पास रूस निर्मित मिग और सुखोई विमान भी हैं। दशकों से पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण देश को विमान के 'स्पेयर पार्ट्स' (खराब हुए पुर्जों की जगह नए पुर्जे) प्राप्त करना और पुराने विमानों का रखरखाव करना मुश्किल हो रहा है।

चीन के शेनझेन शहर में धंसी रेलवे निर्माण स्थल की जमीन, 13 लोग हुए लापता

बीजिंग/शेनझेन। चीन में रेलवे निर्माण स्थल पर बड़े हादसे की जानकारी सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि रेलवे निर्माण स्थल साइट पर अचानक जमीन धंस जाने से वहां काम कर रहे काफी मजदूर उसमें दब गए। राहत और बचाव दल को सूचना मिलने के बाद कई लोगों को बचा लिया गया, लेकिन अभी भी काफी लोग लापता हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। यह हादसा चीन के शेनझेन शहर में रेलवे निर्माण स्थल पर हुआ। मजदूरों के अनुसार उनके काम करने के दौरान अचानक जमीन का एक बड़ा हिस्सा धंसने लगा। जब तक मजदूर संभल पाते तब तक तेजी से वह उनके ऊपर गिर गया। कुछ मजदूर तो बच पाने में सफल रहे, लेकिन जमीन की चपेट में आ जाने से 13 श्रमिक लापता हो गए हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि शेनझेन के बाओआन जिले में शेनझेन-जियांगमेन रेलवे के एक हिस्से के निर्माण स्थल पर बुधवार रात करीब 11 बजे जमीन धंसने की घटना हुई। घटना के बाद राहत एवं बचाव दलों ने अपना अभियान शुरू कर दिया है। लापता लोगों की तलाश की जा रही है। समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के अनुसार, आस-पास के घरों को खाली करवाया गया है और घटनास्थल के पास अस्थायी तौर पर यातायात रोक दिया गया है। वहीं दुर्घटना के कारणों की भी जांच की जा रही है। निर्माण स्थल के आसपास चल रहे सभी तरह के कार्यों को रोकवा दिया गया है।

देवेंद्र फडणवीस ने ली महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ, एकनाथ शिंदे-अजित पवार उपमुख्यमंत्री बने

मुंबई। आरएनएस

भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ले ली है। इसी के साथ वे तीसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री बन गए हैं।फडणवीस के साथ शिवसेना के एकनाथ शिंदे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। अजित छठी बार उपमुख्यमंत्री बन गए हैं।इन तीनों के अलावा आज किसी को भी मंत्री पद की शपथ नहीं दिलाई गई।

मुंबई के आजाद मैदान में हुए समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के अलावा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू समेत 2,000 वीआईपी शामिल हुए।इसके अलावा सभी बड़े उद्योगपति, फिल्मी सितारे, साधु-संत और लाडकी बहना योजना के लाभार्थी भी आमंत्रित किए गए।पार्टी कार्यकर्ताओं समेत करीब 40,000 अन्य लोगों ने भी शिरकत की।

फडणवीस पढ़ाई के दौरान ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में शामिल हो गए थे।केवल 22 साल की उम्र में फडणवीस नागपुर नगर पालिका के सबसे युवा पार्षद बन गए थे। 1997 में 27 साल के फडणवीस नागपुर के सबसे युवा महापौर बने।1999 में उन्होंने पहला विधानसभा चुनाव जीता था। उसके बाद से लगातार 5 बार वे विधानसभा पहुंचे हैं।2014 में वे पहली बार, 2019 में दूसरी बार और अब तीसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं।

शपथ ग्रहण से पहले फडणवीस कई मंदिरों में दर्शन करने पहुंचे। सबसे पहले वे प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे और बप्पा के दर्शन किए। मंदिर प्रशासन ने फडणवीस को सिद्धिविनायक की मूर्ति भी उपहार में दी।इसके बाद फडणवीस कुछ लोगों के साथ मुंबा देवी मंदिर पहुंचे और दर्शन किए।शपथ से पहले फडणवीस ने गाय की पूजा भी की। इसके लिए उनके आवास पर 2 गायें भी लाई गईं।

शिवसेना नेता संजय शिरसाट ने कहा, एकनाथ शिंदे शपथ लेने के बाद गृह मंत्री अमित शाह से मिलेंगे और गृह मंत्रालय और अन्य विभागों पर चर्चा होगी।बता दें कि शिंदे कथित तौर पर गृह मंत्रालय को लेकर अड़े हुए हैं। शपथ ग्रहण से कुछ देर पहले तक उनकी नाराजगी की खबरें थीं।विभागों के बंटवारे को लेकर फडणवीस ने भी उनसे मुलाकात की थी।माना जा रहा है कि शाह से मुलाकात में मंत्रालयों पर सहमति बन सकती है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावी नतीजों में शिवसेना, भाजपा और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के महायुति गठबंधन ने 235 सीटें जीती हैं।भाजपा को 132, शिवसेना को 57 और एनसीपी को 41 सीटें मिली हैं। गठबंधन में शामिल छोटी पार्टियों ने भी 5 सीटों पर जीत हासिल की है।वहीं, विपक्षी महाविकास अघाड़ी में शिवसेना (उद्धव ठाकरे) को 20, कांग्रेस को 16 और एनसीपी (शरद पवार) को 10 सीटें मिली हैं।

बीते 10 वर्षों में 32 देशों के 4,500 से अधिक अंतरराष्ट्रीय सिविल सेवक ट्रेनिंग के लिए पहुंचे भारत

नई दिल्ली। आरएनएस

लोकसभा को दी गई हालिया जानकारी के अनुसार, बीते 10 वर्षों में विभिन्न देशों के 4,500 से अधिक अंतरराष्ट्रीय सिविल सेवकों ने सार्वजनिक नीति और शासन पर मध्य-कैरियर क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिए भारत का दौरा किया। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक लिखित उत्तर में कहा कि अंतरराष्ट्रीय सिविल सेवकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम शासन में बेस्ट प्रैक्टिस और इनोवेशन पर केंद्रित है, जिससे विदेशों में भारत के सुशासन मॉडल का प्रसार संभव हो रहा है। उन्होंने कहा, वर्ष 2014-2024 की अवधि में 32 देशों के 4,500 से अधिक अंतरराष्ट्रीय सिविल सेवकों ने सार्वजनिक नीति और शासन पर मध्य-कैरियर क्षमता निर्माण कार्यक्रम (बहु-देशीय कार्यक्रम सहित) के लिए एनसीजीजी का दौरा किया है।

केंद्रीय मंत्री ने जानकारी दी कि डीएआरपीजी/एनसीजीजी ने लोक प्रशासन, लोक नीति और शासन सुधार के क्षेत्र में यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, पुर्तगाल, सिंगापुर, बांग्लादेश, ऑस्ट्रेलिया, कंबोडिया, गाम्बिया, मालदीव और मलेशिया के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2029 तक प्रशिक्षित किए जाने वाले सिविल सेवकों की कुल संख्या मौजूदा समझौता ज्ञापनों और अन्य द्विपक्षीय व्यवस्थाओं के तहत साझेदार देशों के अनुरोधों/आवश्यकताओं पर निर्भर करेगी। उन्होंने आगे कहा, क्लासरूम सेशन में सिखाए जा रहे भारत के शासन मॉडल के फोकस क्षेत्रों में 2047 तक विजन इंडिया, शासन में नए प्रतिमान, लोक शिकायतों का प्रभावी निवारण, आधार, पीएम गति शक्ति, आपदा प्रबंधन पद्धतियां, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, डिजिटल इंडिया, कौशल भारत, ब्लू इकॉनमी, स्वामित्व योजना आदि शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने जानकारी दी कि अंतरराष्ट्रीय सिविल सेवक दिल्ली मेट्रो, यूपीएससी, भारतीय चुनाव आयोग, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, जिला प्रशासन आदि से भी जुड़े हुए हैं।

हेमंत सरकार का कैबिनेट विस्तार : 11 मंत्रियों ने ली शपथ, छह नए चेहरे

रांची (आरएनएस)। झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार का गुरुवार को कैबिनेट विस्तार हुआ जिसमें 11 मंत्रियों ने शपथ ली। राज्यपाल संतोष गंगवार ने राजभवन में आयोजित समारोह में सभी नवनियुक्त मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इन मंत्रियों में झारखंड मुक्ति मोर्चा से दीपक बिरुआ, रामदास सोरेन, हफीजुल हसन, सुदिव्य कुमार सोनू, योगेंद्र महतो और चमरा लिंडा शामिल हैं। कांग्रेस से दीपिका पांडेय सिंह, इरफान अंसारी, राधाकृष्ण किशोर और शिल्पी नेहा तिर्की को मंत्री बनाया गया है जबकि राष्ट्रीय जनता दल से संजय प्रसाद यादव को कैबिनेट में जगह दी गई है। इन मंत्रियों से पहले राज्यपाल ने झामुमो के वरिष्ठ विधायक स्टीफन मरांडी को विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर के तौर पर शपथ दिलाई गई। राजभवन के अशोक उद्यान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में सीएम हेमंत सोरेन, कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर, राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय महासचिव जयप्रकाश नारायण यादव सहित कई महत्वपूर्ण लोग उपस्थित रहे। नवगठित कैबिनेट में छह नए और पांच पुराने चेहरे हैं। नए मंत्रियों में राधाकृष्ण किशोर, सुदिव्य सोनू, चमरा लिंडा, योगेंद्र प्रसाद, शिल्पी नेहा तिर्की और संजय यादव शामिल हैं। सत्तारूढ़ गठबंधन में इस बार आठ महिलाएं चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंची हैं। इनमें से दो को कैबिनेट में जगह मिली है। कैबिनेट में राज्य के पांचों प्रमंडलों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। संथाल परगना से सर्वाधिक चार मंत्री बनाए गए हैं। कोल्हान, दक्षिणी छोटानागपुर और उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल से दो-दो और पलामू प्रमंडल से एक विधायक को मंत्रिमंडल में जगह मिली है। सरकार ने मंत्रिमंडल में विभिन्न समुदायों को प्रतिनिधित्व देकर सामाजिक-राजनीतिक समीकरणों को साधने का प्रयास किया है।

इसरो की अंतरिक्ष में बड़ी छलांग, लॉन्च किया ईएसए का प्रोबा-3 मिशन, सूर्य का किया जाएगा अध्ययन

नईदिल्ली। आरएनएस

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार को यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के प्रोबा-3 मिशन लॉन्च कर दिया है।आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से इस विशेष अंतरिक्ष मिशन को इसरो के पोलर सैटलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी) की मदद से शाम 04:04 बजे लॉन्च किया गया है।प्रोबा-3 मिशन का उद्देश्य सूर्य के कोरोना का अध्ययन करना है। इस मिशन को बीते दिन ही लॉन्च किया जाना था, लेकिन तकनीकी समस्या आने के कारण इसे एक दिन टाल दिया गया।

प्रोबा-3 मिशन में कोरोनाग्राफ और ऑकुल्टर नामक 2 सैटेलाइट्स शामिल हैं। इनमें से एक सैटेलाइट सूर्य के कोरोना का अध्ययन करेगा, जबकि दूसरा सैटेलाइट कोरोनाग्राफ की सहायता से सूर्य के बाहरी वातावरण का स्पष्ट रूप से अध्ययन करने में मदद करेगा।इन दोनों सैटेलाइट्स के बीच केवल 150 मीटर की दूरी होगी, जो इस मिशन की विशेषता है। यह सटीक उड़ान तकनीक को प्रदर्शित करेगा, जो भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रोबा-3 मिशन का मुख्य उद्देश्य सूर्य के कोरोना और उसके साथ जुड़ी गतिविधियों के बारे में गहरी जानकारी प्राप्त करना है।सूर्य के कोरोना की उच्चतम गर्मी और सौर गतिविधियों के कारण होने वाली घटनाएं पृथ्वी के अंतरिक्ष मौसम को प्रभावित कर सकती हैं।इस मिशन से इन घटनाओं की भविष्यवाणी करना और उनकी स्थिति पर विचार करना संभव हो सकेगा। इससे भविष्य में अंतरिक्ष में होने वाली खतरनाक घटनाओं से निपटने में मदद मिलेगी।

इस मिशन के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली तकनीकों में से एक है सटीक उड़ान नियंत्रण प्रणाली, जो 2 सैटेलाइट्स के बीच अत्यधिक छोटे अंतर को बनाए रखने में मदद करेगी।यह इसरो की प्रगति को दर्शाता है, जो अंतरिक्ष विज्ञान और अंतरिक्ष खोज के क्षेत्र में न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया में नेतृत्व कर रहा है। प्रोबा-3 मिशन का सफलतापूर्वक संचालन अंतरिक्ष के अध्ययन में नए अवसर खोलेगा।

प्रधानमंत्री मोदी और भूटान नरेश की बैठक, भारत-नेपाल द्विपक्षीय संबंधों पर की चर्चा

नई दिल्ली। आरएनएस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूटान के आर्थिक विकास के लिए भारत की मजबूत प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने गुरुवार को नई दिल्ली में भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक के साथ बैठक के दौरान पड़ोसी देश को उसकी 13वीं पंचवर्षीय योजना अवधि के लिए भारत के डेवलपमेंट सपोर्ट को दोगुना करने पर प्रकाश डाला।

भूटान नरेश के साथ अपनी बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, भारत में भूटान के महाराज और महारानी का स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। भूटान की प्रगति और क्षेत्रीय विकास के लिए महामहिम जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक के दृष्टिकोण की मैं सराहना करता हूं। हम भारत और भूटान के बीच अद्वितीय और स्थायी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि पीएम मोदी और भूटान नरेश ने द्विपक्षीय रिश्तों की शानदार स्थिति पर संतोष व्यक्त किया, जिसमें डेवलपमेंट सपोर्ट, स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी, व्यापार और निवेश, अंतरिक्ष-टेक्नोलॉजी सहयोग और लोगों के बीच संबंध शामिल हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के मुताबिक नेताओं ने दोनों देशों के बीच आर्थिक संपर्क बढ़ाने में हुई प्रगति की समीक्षा की।

इसमें बताया गया कि भूटान नरेश ने भूटान के प्रति दृढ़ समर्थन के लिए प्रधानमंत्री और भारत की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा, बैठक में भारत और भूटान के बीच नियमित उच्च स्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा को रेखांकित किया गया, जो आपसी विश्वास, सहयोग और गहन समझ की भावना को दर्शाता है, जो दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों का आधार है।

जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और भूटान की रानी जेटसन पेमा वांगचुक का स्वागत करते हुए, पीएम मोदी ने मार्च 2024 में अपनी राजकीय यात्रा के दौरान भूटान की सरकार और लोगों की असाधारण गर्मजोशी से भरी मेजबानी को भी याद किया।

चर्चा के बाद प्रधानमंत्री ने नेपाल के महाराजा और महारानी के सम्मान में दोपहर के भोजन का आयोजन किया।

इजरायल और फिलिस्तीन संकट पर विदेश मंत्री एस जयशंकर बोले-भारत 2-राज्य समाधान का समर्थन

नईदिल्ली,। आरएनएस

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इजरायल और फिलिस्तीन के बीच युद्ध संकट पर दीर्घकालिक समर्थन की पुष्टि करते हुए कहा कि भारत 2-राज्य समाधान का समर्थक है।विदेश मंत्री ने यह बात राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान गाजा पर संयुक्त राष्ट्र के सभी प्रस्तावों से भारत के कथित रूप से दूर रहने के दावे पर जवाब देते हुए कहा।इस दौरान उन्होंने इजरायल के साथ-साथ संप्रभु, स्वतंत्र और व्यवहार्य फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना का आह्वान किया।

जयशंकर ने कहा, 7 अक्टूबर, 2023 को इजराइल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में फिलिस्तीन से संबंधित 13 प्रस्ताव लाए गए, जिनमें भारत ने 10 के पक्ष में मतदान किया और 3 को नकारा है।उन्होंने कहा, फिलिस्तीन के प्रति भारत की नीति पुरानी है और हमने हमेशा बातचीत से 2-राज्य समाधान का समर्थन किया, ताकि सुरक्षित और मान्य सीमाओं में संप्रभु, स्वतंत्र फिलिस्तीन राज्य की स्थापना हो, जो इजरायल के साथ शांति से रहे।

हाल में भारत ने यूएनजीए में इजरायल के खिलाफ लाए गए एक प्रस्ताव का समर्थन किया है, जिसमे इजरायल को फिलिस्तीन क्षेत्र से वापस जाने के लिए कहा गया है। पश्चिम अफ्रीकी देश सेनेगल में फिलिस्तीन के प्रश्न का शांतिपूर्ण समाधान शीर्षक वाले प्रस्ताव में इजरायल से पूर्वी यरुशलम सहित 1967 से कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों को छोडऩे की मांग की गई थी।प्रस्ताव को महासभा में भारी समर्थन मिला है। समर्थन करने वालों में भारत भी शामिल था।

लक्षद्वीप को बड़ा पर्यटन स्थल बनाएगी केन्द्र सरकार, 8 नई परियोजनाएं शुरू करने की तैयारी

नईदिल्ली। आरएनएस

केंद्र सरकार लक्षद्वीप को मालदीव की तरह शानदार पर्यटन स्थल बनाना चाहती है। इसके लिए सरकार जल्द ही 8 नई परियोजनाएं शुरू करने की तैयारी कर रही है।303 करोड़ रुपये की पहली परियोजना पर जल्द ही काम शुरू होगा। इसके लिए निविदाएं भी जारी कर दी गई हैं।बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के बाद से ही लक्षद्वीप को मालदीव के विकल्प के तौर पर विकसित किया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, जिन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, उनमें कावरत्ती, अगाथी और मिनिकॉय द्वीपों पर बड़े जहाजों के आने की क्षमता विकसित करना, कल्पेनी, कदमथ और एंड्रोथ द्वीपों पर पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाओं का विकास करना और कल्पेनी और कदमथ द्वीप पर क्रूज जहाजों के संचालन वाले जेटी का निर्माण शामिल है।पहली परियोजना के तहत, कदमथ द्वीप पर जेटी निर्माण के लिए 4 दिसंबर को निविदाएं आमंत्रित की गई हैं।

पहली परियोजना में कोच्चि से लगभग 407 किलोमीटर दूर कदमथ द्वीप में पूर्वी और पश्चिमी किनारों पर जेटी और दूसरी जरूरी यात्री सुविधाएं विकसित करना है।विश्वस्तरीय मानकों को ध्यान में रखते हुए सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक यात्री प्रतीक्षालय भी बनाया जाएगा।इसके अलावा 360 मीटर लंबी एक जेटी बनाई जाएगी, जहां से यात्री जहाजों के साथ-साथ क्रूज जहाजों का भी संचालन किया जा सकेगा।बता दें कदमथ 9.3 किलोमीटर लंबा और 0.57 किलोमीटर चौड़ा द्वीप है।

सरकार की योजना लक्षद्वीप में एक मल्टीमॉडल जेटी को विकसित करने की है, जहां से यात्री जहाजों का पूरे साल संचालन किया जा सके। इससे द्वीप तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी और पर्यटकों की पहुंचना भी आसान होगा।इसके अलावा, सरकार लक्षद्वीप के सभी द्वीपों में बंदरगाह और शिपिंग संरचना विकसित करना चाहती है, जिससे बिना बाधा के शिपिंग सेवाएं और यात्री और कार्गो हैंडलिंग हो सके।इन परियोजनाओं को मुख्यत: सागरमाला परियोजना के तहत पूरा किया जाएगा।

जनवरी में प्रधानमंत्री मोदी ने लक्षद्वीप की यात्रा की थी। उन्होंने यात्रा की कुछ तस्वीरें भी साझा की थीं, जिन पर मालदीव के मंत्रियों ने विवादित टिप्पणियां की थीं। भारत की आपत्ति के बाद इन मंत्रियों को बर्खास्त कर दिया गया था।

लक्षद्वीप 36 छोटे-छोटे द्वीपों का समूह है। केरल के कोच्चि से करीब 440 किलोमीटर दूर स्थित ये जगह रणनीतिक नजरिए से भी काफी अहम है।यहां की कुल आबादी करीब 64,000 है। इसमें से भी 95 प्रतिशत मुस्लिम हैं।आदिवासियों की संस्कृति को बचाए रखने की वजह से यहां पर जाने के लिए आम भारतीयों को परमिट लेना जरूरी होता है।हालांकि, भारतीय सेना के जवान, उनके परिजन और सरकारी अधिकारियों को परमिट से छूट मिली हुई है।